बहु-कोशिकीय जंतु 2.1 अरब वर्ष पुराने हैं

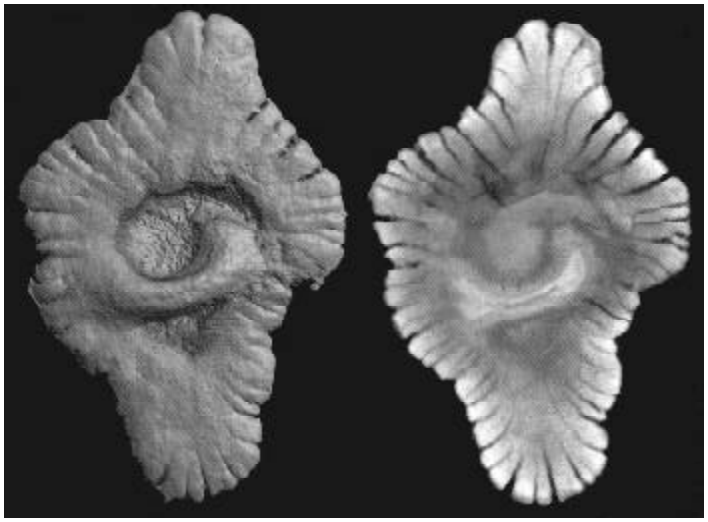

जीव वैज्ञानिकों के बीच यह बहस का विषय है कि बहु-कोशिकीय जीव धरती पर सबसे पहले कब प्रकट हुए थे। बहु-कोशिकीय जीव की परिभाषा में थोड़ा विवाद है। क्या सिर्फ कोशिकाओं के समूहीकरण को बहु-कोशिकीय जीव माना जा सकता है या यह भी ज़रूरी होगा कि ये कोशिकाएं एक-दूसरे से संवाद करती हों या क्या यह भी ज़रूरी होगा कि ऐसे समूह की विभिन्न कोशिकाओं के काम में विभेदन हो गया हो।

अलबत्ता, यदि हम यह मानें कि मात्र कोशिकाओं के साथ आ जाने से बहु-कोशिकीय जीव नहीं बनता, तो भी अब तक यह माना जाता था कि ऐसे जीवों की उत्पत्ति करीब 1.9 अरब वर्ष पहले हुई थी। इस काल निर्धारण का आधार था मिशिगन में पाया गया *ग्राइपेनिया* जीवाश्म। माना जाता है कि यह कोशिकाओं का पहला झुंड है जिसमें कोशिकाएं परस्पर संवाद करती थीं।

मगर अब एक और जीवाश्म ने स्थिति बदल दी है। यह नया जीवाश्म पश्चिमी अफ्रीका में गैबन से मिला है। वहां ऐसे करीब 250 जीवाश्म मिले हैं जो प्रत्येक लगभग 12 से.मी. लंबा है, और जिसका किनारा झालरनुमा है। स्टॉकहोम स्थित प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय के स्टीफन बेंगस्टोन का मत है कि अकेली कोशिका इतनी बड़ी नहीं हो सकती। ऐसा लगता है कि उस युग के अन्य जंतुओं का तो कोई अवशेष नहीं बचा क्योंकि वे सब मुलायम शरीर वाले थे जिनके जीवाश्म बहुत मुश्किल से बनते हैं। मगर ये जीव अपनी छाप छोड़ गए क्योंकि इनके शरीर के अंगों की जगह पाइराइट ने ले ली और इनके आसपास की तलछट नष्ट नहीं हुई। शोधकर्ताओं का मत है कि ये जीव पृथ्वी के वायुमंडल में ऑक्सीजन की बढ़ी हुई मात्रा के परिणामस्वरूप अस्तित्व में आए होंगे। गौरतलब है कि पृथ्वी के वायुमंडल में ऑक्सीजन की मात्रा इससे करीब 20 करोड़ वर्ष पूर्व तेज़ी से बढ़ने लगी थी। ***(स्रोत फीचर्स)***